



प्रथम चरण का मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न, अजमेर जिले में 81.92 प्रतिशत मतदान



अजमेर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण का मतदान बुधवार को अजमेर जिले में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु ने बताया कि जिले की 6 नगरपालिकाओं के 150 वार्डों में कुल 87,919 मतदाताओं में से 72,021 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार जिले में कुल 81.92 प्रतिशत औसत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जिले की संबंधित नगरपालिकाओं में मतदान सुबह 7 बजे सभी मतदान केन्द्रों पर शुरू हुआ तथा निर्धारित समय तक शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। मतदान

मतगणना के मद्देनजर 5 शिक्षण संस्थानों में 14 सितम्बर को अवकाश

अजमेर। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, माखपुरा में स्ट्रॉन्ग रूम एवं मतगणना स्थल निर्धारित किया गया है। मतगणना के दौरान अभ्यर्थियों, निर्वाचन अभिकताओं एवं गणन अभिकताओं के साथ-साथ अधिकारियों एवं कार्मिकों के वाहनों की पार्किंग तथा सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा संबंधित शिक्षण संस्थानों में सोमवार 14 सितम्बर को अवकाश घोषित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोक बन्धु ने बताया कि राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, नसीराबाद रोड, माखपुरा, अजमेर में नगर निकाय आम चुनाव की मतगणना आयोजित की जाएगी। मतगणना स्थल के आसपास यातायात, वाहनों की पार्किंग एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से माखपुरा स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, राजकीय महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में अवकाश रहेगा।

नगरीय निकाय आम चुनाव-2026

प्रक्रिया के दौरान जिले में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। सभी मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई। केकड़ी नगरपालिका के 40 वार्डों में कुल 35,829 मतदाताओं में से 27,960 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां कुल मतदान प्रतिशत 78.04 रहा। प्रातः 10 बजे तक 22.59 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 49.90 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 63.53 प्रतिशत तथा शाम 6 बजे तक 77.64 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नसीराबाद नगरपालिका के 20 वार्डों में कुल 6,834 मतदाताओं में से 6,097 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां कुल मतदान प्रतिशत 89.22 रहा। प्रातः 10 बजे तक 36.87 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 67.64 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 79.32 प्रतिशत तथा सायं 6 बजे तक 89.22 प्रतिशत मतदान हुआ। पीसांगन नगरपालिका के 25 वार्डों में कुल 14,098 मतदाताओं में से 12,227 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां कुल मतदान प्रतिशत 86.73 रहा। प्रातः 10 बजे तक 30.94 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 54.47 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 70.27 प्रतिशत तथा सायं 6 बजे तक 86.73 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। सरवाड़ नगरपालिका के 25 वार्डों में कुल 16,334 मतदाताओं में से 14,078 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां कुल मतदान प्रतिशत 86.19 रहा। प्रातः 10 बजे तक 30.98 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 58.42 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 71.62 प्रतिशत तथा सायं 6 बजे तक 85.96 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

सावर नगरपालिका के 20 वार्डों में कुल 8,972 मतदाताओं में से 7,256 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां कुल मतदान प्रतिशत 80.87 रहा। प्रातः 10 बजे तक 30.29 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 58.70 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 68.07 प्रतिशत तथा सायं 6 बजे तक 80.64 प्रतिशत मतदान हुआ।

टांटोटी नगरपालिका के 20 वार्डों में कुल 5,852 मतदाताओं में से 4,403 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां कुल मतदान प्रतिशत 75.24 रहा। सुबह 10 बजे तक 34.07 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 58.73 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 68.06 प्रतिशत तथा शाम 6 बजे तक 75.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।



नगरीय निकाय चुनाव : जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

अजमेर। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के अन्तर्गत बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु ने जिला पुलिस अधीक्षक हर्ष वर्धन अगरवाला के साथ जिले में विभिन्न स्थानों पर मतदान केन्द्रों एवं स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बन्धु ने बुधवार को नगरीय निकाय निर्वाचन के संबंध में निरीक्षण किए। टांटोटी में राजकीय महाविद्यालय स्थित स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण किया। रिटर्निंग अधिकारी मदन लाल शर्मा ने व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही टांटोटी नगर पालिका के मतदान केन्द्रों का भी निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त सावर, सरवाड़ एवं केकड़ी नगर पालिका के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के समय मतदान दलों के साथ वातालाप किया। निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए कहा। आयोग के निर्देशानुसार मॉकपोल से लेकर मतदान समाप्ति तक सावधानी से कार्य करें। प्रत्येक मतदाता की पहचान सुनिश्चित होने के उपरान्त ही मतदान करवाया जाए। मतदाताओं की पहचान आयोग के द्वारा निर्धारित दस्तावेजों के आधार पर की जानी चाहिए।

उन्होंने मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए छाया आदि आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए कहा। दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर एवं सहायक की व्यवस्था रहनी चाहिए। स्थानीय जोनल मजिस्ट्रेट एवं ?रिया मजिस्ट्रेट को शान्तिपूर्ण मतदान के लिए निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य करने के निर्देश प्रदान किए। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। मतदान समाप्ति के पश्चात मतदान सामग्री को जमा करते समय विशेष सावधानी बरते। मतदान दलों के कार्मिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

सीने में दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंची महिला, ऑपरेशन में पेट से निकलीं 20 अजीबोगरीब चीजें

आंध्र प्रदेश के नरसारावपेट में हैरान करने वाला मामला, डॉक्टरों ने 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली

नरसारावपेट। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले से सामने आया एक असामान्य मेडिकल मामला डॉक्टरों के साथ-साथ आम लोगों को भी हैरान कर रहा है। नरसारावपेट के एक निजी अस्पताल में 33 वर्षीय महिला को सीने और पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट के भीतर ऐसी चीजें दिखाई दीं, जिन्हें देखकर वे भी चौंक गए। मेडिकल जांच और स्कैन में महिला के पेट में बड़ी संख्या में बाहरी वस्तुएं मौजूद होने का पता चला। इसके बाद डॉक्टरों ने तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया। लैप्रोस्कोपिक प्रक्रिया के जरिए महिला के पेट से 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती निकाली गई। यानी कुल 20 वस्तुएं उसके पेट से बाहर निकाली गईं।



दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल पहुंची थी महिला

जानकारी के मुताबिक महिला पलनाडु जिले के पेटलूरिवारीपलेम क्षेत्र की रहने वाली है। पिछले कुछ समय से उसे दर्द की शिकायत थी। जब दर्द बढ़ गया तो परिजन उसे नरसारावपेट स्थित माताश्री अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्रारंभिक जांच के बाद पेट का स्कैन कराया, जिसमें अंदर असामान्य वस्तुओं की मौजूदगी सामने आई। रिपोर्ट सामने आने के बाद डॉक्टरों की टीम ने बिना देरी किए सर्जरी की। डॉक्टर पी. रामचंद्र रेड्डी के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने लैप्रोस्कोपिक तकनीक से ऑपरेशन किया और एक-एक करके सभी वस्तुओं को बाहर निकाला।

एक पेन बना दर्द की बड़ी वजह

डॉक्टरों के मुताबिक निकाले गए पेन में से एक का कैप नहीं था। एक का कैप नहीं था। माना जा रहा है कि उसका हिस्सा पेट की अंदरूनी सतह में चुभ गया था, जिसके कारण महिला को काफी दर्द और परेशानी हो रही थी। इतनी बड़ी संख्या में पेन, चम्मच और मोमबत्ती पेट में कैसे पहुंची, यह अपने आप में चिकित्सकों के लिए मामला रहा।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा हो सकता है मामला

महिला के पिता के अनुसार उनकी बेटी पिछले करीब 10 वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से जूझ रही है। कुछ रिपोर्टों में यह भी बताया गया है कि हाल ही में उसके वैवाहिक जीवन में भी बदलाव आया है। हालांकि, इन परिस्थितियों और वस्तुओं को निगलने के बीच सीधा संबंध डॉक्टरों ने निश्चित रूप से स्थापित नहीं किया है। चिकित्सकीय विशेषज्ञों ने ऐसे मामलों में पाइका सिंड्रोम जैसी स्थिति की संभावना का उल्लेख किया है। इसमें व्यक्ति खाने योग्य भोजन के बजाय गैर-खाद्य वस्तुओं को निगलने की प्रवृत्ति विकसित कर सकता है। हालांकि इस महिला के मामले में अंतिम कारण की पुष्टि विशेषज्ञों की विस्तृत जांच के बाद ही हो सकती है।

सर्जरी के बाद महिला की हालत स्थिर

डॉक्टरों ने सफल ऑपरेशन के बाद महिला की हालत स्थिर बताई है। अस्पताल में उसका उपचार और निगरानी जारी है। चिकित्सकों का कहना है कि इस तरह का मामला बेहद दुर्लभ है और महिला को शारीरिक उपचार के साथ मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की देखरेख की भी जरूरत हो सकती है।

सम्पादकीय

सत्य निकेतन हादसा : जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सरकारीयोजनाएं खोजेंसत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निमाणांधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए।यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्तत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी?

गियर बॉक्स के नीचे छिपाकर ले जा रहे थे 3.92 करोड़ का सोना, दो अरेस्ट

चंदौली। बिहार से दिल्ली जा रही एक कार में गियर बॉक्स के नीचे बनाए गए विशेष बॉक्स में छिपाकर ले जाया जा रहा करीब 3.92 करोड़ रुपए मूल्य का 2.565 किलोग्राम सोना पुलिस ने बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि स्वाट/एसओजी टीम को सूचना मिली थी कि बिहार की ओर से एक सफेद रंग की किआ कैरेंस कार में दो लोग सोना लेकर दिल्ली जा रहे हैं। सूचना के आधार पर चंदौली पुलिस और स्वाट/एसओजी की संयुक्त टीम ने नवही पुलिसिया हाईवे पर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध कार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने वाहन लेकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी कर कार को रोक लिया।पूछताछ में चालक की पहचान महाराष्ट्र निवासी जुबेर मुबारक शेख और उसके साथ बैठे हरियाणा निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई। दोनों ने बताया कि कार के गियर बॉक्स के नीचे विशेष बॉक्स बनाकर सोना छिपाया गया है। उनकी निशानदेही पर बॉक्स खुलवाने पर कपड़े के लंबे बेल्ट में भूरे रंग के सेलो टेप से लिपटी दो सोने की सिल्लियां बरामद हुईं।

नगर निकाय चुनाव : मतगणना के लिए रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त



अजमेर। नगर निकाय आम चुनाव- 2026 के लिए नगर निकायों के सदस्य पदों के मतगणना के लिए रिटर्निंग अधिकारी एवं उनके सहायतार्थ सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) लोक बंधु ने बताया कि नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 की मतगणना 14 सितम्बर को निकाय स्तर पर की जाएगी। इसके लिए रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इनके सहयोग के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी लगाए गए हैं। मतगणना के लिए मतगणना कक्ष एवं स्ट्रॉंग रूम बनाए गए हैं। इनकी सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाएं निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार रखी जा रही है।उन्होंने बताया कि नगर निगम अजमेर के लिए रिटर्निंग अधिकारी अजमेर विकास प्राधिकरण के सचिव अनिल पूनिया होंगे। मतगणना स्थल राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज माखुपुरा अजमेर रहेगा। वार्ड संख्या एक से 13 के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) प्रवीण कुमार को नियुक्त किया गया है।

इनका मतगणना कक्ष इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या ईएल-09 तथा स्ट्रॉंग रूम इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या ईएल-10 रहेगा। वार्ड संख्या 14-26 के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी अजमेर विकास प्राधिकरण उपायुक्त (पुष्कर अनुभाग) शीला चौधरी को नियुक्त किया गया है।इनका मतगणना कक्ष इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या ईएल-8 तथा स्ट्रॉंग रूम इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या ईएल-7 रहेगा। वार्ड संख्या 27-39 के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार (भू-अभिलेख) रमेश वर्मा को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना कक्ष इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या ईएल-3 तथा स्ट्रॉंग रूम इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या ईएल-4 रहेगा।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार वार्ड संख्या 40-52 के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी अजमेर विकास प्राधिकरण तहसीलदार महेश शेषमा को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना कक्ष इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या ईएल-13 तथा स्ट्रॉंग रूम इलेक्ट्रॉनिक ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या ईएल-12 रहेगा।वार्ड संख्या 53-66 के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट अजमेर पदमा चौधरी को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना कक्ष मैन ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या एम-21 तथा स्ट्रॉंग रूम मैन ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या एम-18 रहेगा। वार्ड संख्या 67-80 के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहायक कलक्टर मुख्यालय अजमेर दिव्या सोनी को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना कक्ष मैन ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या एम-25 तथा स्ट्रॉंग रूम मैन ब्लॉक ग्राउंड फ्लोर का कमरा संख्या एम-2 रहेगा।उन्होंने बताया कि नगर परिषद

जल जीवन मिशन मामले में आरोपी विशाल सक्सेना की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर। राजस्थान में जल जीवन मिशन में 979 करोड़ 27 लाख रुपए के टेंडर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दिए जाने से जुड़े मामले में गिरफ्तार तत्कालीन अधिशाषी अभियंता विशाल सक्सेना को अदालत से राहत नहीं मिली।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत -2 के न्यायाधीश राजेश दड़िया ने मामले को गंभीर अपराध मानते हुए मंगलवार को सक्सेना की जमानत अर्जी खारिज कर दी।विशाल सक्सेना को एसीबी ने 17 फरवरी को गिरफ्तार किया था। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से सहायक निदेशक अभियोजन मंजुला जैन ने पैरवी



की। अभियोजन पक्ष ने मामले की गंभीरता और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर जमानत का विरोध किया।

मामला जल जीवन मिशन के तहत करीब 979 करोड़ 27 लाख रुपये के टेंडर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दिए जाने से संबंधित है। एसीबी ने प्राथमिक जांच के बाद 30 अक्टूबर 2024 को इस संबंध में मामला दर्ज किया था।इस मामले

किशनगढ़ के रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट किशनगढ़ अनिल कुमार चौधरी होंगे। इनके द्वारा वार्ड संख्या एक से 30 के लिए की मतगणना कराई जाएगी। वार्ड संख्या 31 से 60 के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट अराई अर्चना बुगालिया होगी। तहसीलदार किशनगढ़ अंकुर जैन को भी सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। नगर परिषद किशनगढ़ का मतगणना स्थल कंवर लाल पाटनी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय किशनगढ़ होगा। मतगणना कक्ष कमरा संख्या 225 तथा स्ट्रॉंग रूम कमरा संख्या 226 रहेगा।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद पुष्कर के लिए रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट पुष्कर गुरु प्रसाद तंवर होंगे। सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार पुष्कर इन्द्रजीत सिंह चौहान को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना स्थल खादी ग्रामोद्योग भवन पुष्कर होगा। मतगणना कक्ष खादी ग्रामोद्योग भवन का हॉल तथा स्ट्रॉंग रूम कमरा संख्या 4 रहेगा।उन्होंने बताया कि नगरपालिका नसीराबाद के लिए रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट नसीराबाद कल्पित शिवरान तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार नसीराबाद दिनेश चन्द शर्मा को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना स्थल गोविन्द सिंह गुर्जर राजकीय महाविद्यालय नसीराबाद होगा। मतगणना कक्ष महाविद्यालय सभागार एवं स्ट्रॉंग रूम कमरा संख्या 25 रहेगा।उन्होंने बताया कि नगरपालिका पीसांगन के लिए रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट पीसांगन मोहन चौधरी तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार पीसांगन अमित जिन्दोलिया को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना स्थल पंचायत समिति पीसांगन होगा। मतगणना कक्ष पंचायत समिति सभागार एवं स्ट्रॉंग रूम कमरा संख्या 2 रहेगा।उन्होंने बताया कि नगरपालिका सावर के लिए रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट सावर धमेन्द्र वर्मा तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार सावर अविनाश को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना स्थल राजकीय महाविद्यालय सावर में मतगणना कक्ष कमरा संख्या 10 एवं स्ट्रॉंग रूम कमरा संख्या 4 रहेगा।उन्होंने बताया कि नगरपालिका सरवाड़ के लिए रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट सरवाड़ गजेन्द्र शर्मा तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार सरवाड़ दिनेश चन्द को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना स्थल पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरवाड़ में मतगणना कक्ष कमरा संख्या 18 एवं स्ट्रॉंग रूम कमरा संख्या 19 रहेगा।उन्होंने बताया कि नगरपालिका केकड़ी के लिए रिटर्निंग अधिकारी उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट केकड़ी सुरेश कुमार बलाई तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार केकड़ी सत्य नारायण लौहार को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना स्थल राजकीय महाविद्यालय केकड़ी में मतगणना कक्ष कमरा संख्या 16 एवं स्ट्रॉंग रूम कमरा संख्या 14 रहेगा।उन्होंने बताया कि नगरपालिका टांटोटी के लिए रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार टांटोटी मदनलाल शर्मा तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी नायब तहसीलदार बांदनवाड़ा शैमेन्द्र कुमार मीना को नियुक्त किया गया है। इनका मतगणना स्थल राजकीय महाविद्यालय टांटोटी में मतगणना कक्ष कमरा संख्या 5 एवं स्ट्रॉंग रूम कमरा संख्या 6 रहेगा।

में एसीबी की कार्रवाई के तहत तत्कालीन पीएचईडी मंत्री महेश जोशी, तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल, दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, अरुण श्रीवास्तव, डीके गौड़, मुकेश पाटक, संजय बढ़ाया, महेंद्र प्रकाश सोनी और निरिल कुमार सहित अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।एसीबी ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ 13 अप्रैल को करीब 15 हजार पृष्ठों का आरोप पत्र अदालत में पेश किया था। मामले की जांच के दौरान टेंडर प्रक्रिया और कथित फर्जी दस्तावेजों से जुड़े विभिन्न पहलुओं को जांच के दायरे में लिया गया है।

डोपिंग के कारण एशियाई बीच गेम्स में कबड्डी खिलाड़ी बृजेंद्र सिंह चौधरी का सिल्वर मेडल छीना

नई दिल्ली। इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) ने मंगलवार को बताया कि भारतीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेंद्र सिंह चौधरी का एशियाई बीच गेम्स का सिल्वर मेडल छीन लिया गया है, क्योंकि वे प्रतिबंधित डाइयूरिटिक 'ब्रिजोलैमाइड' के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। चौधरी, जो सान्या में हुए छठे एशियाई बीच गेम्स में भारत की सिल्वर मेडल जीतने वाली पुरुष बीच कबड्डी टीम का हिस्सा थे, 27 अप्रैल को लिए गए इन-कंपटीशन यूरिन सैंपल में पॉजिटिव पाए गए। उन्होंने एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन और उसके परिणामस्वरूप मिली सजा को स्वीकार कर लिया। एजेंसी ने कहा कि इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए), ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) की ओर से यह जानकारी देती है कि भारतीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेंद्र सिंह चौधरी पर एंटी-डोपिंग नियम उल्लंघन के लिए सजा लगाई गई है। ब्रिजोलैमाइड को वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची में एक निर्दिष्ट पदार्थ के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह डाइयूरिटिक्स और मारिस्कंग एजेंट की एस5 श्रेणी में आता है। यह प्रतियोगिता के दौरान और उसके बाहर, दोनों ही स्थितियों में प्रतिबंधित है। आईटीए ने कहा कि एथलीट ने ओसीए एंटी-डोपिंग नियमों के तहत अपने एंटी-डोपिंग नियम उल्लंघन के नतीजों को स्वीकार कर लिया, जिसमें एंटी-डोपिंग नियम उल्लंघन की पुष्टि और छठे एशियाई बीच गेम्स सान्या 2026 में उनके व्यक्तिगत नतीजों को अयोग्य घोषित करना शामिल है, इसमें पुरुष बीच कबड्डी इवेंट में उनका दूसरा स्थान भी शामिल है। चौधरी भारत की छह सदस्यीय टीम का हिस्सा थे, जिसमें उनके साथ जितेंद्र यादव, यथार्थ देशवाल, नीरज, जय भगवान और भानु प्रताप तोमर भी शामिल थे। भारत ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 50-27 से हराया, लेकिन गोल्ड मेडल मैच में ईरान से 44-31 से हार गया। हाफ-टाइम तक भारत 11-23 से पीछे था और वापसी नहीं कर सका, जिससे ईरान ने खिताब जीत लिया। इस नतीजे से भारत को एशियाई बीच गेम्स में पुरुष बीच कबड्डी में लगातार दूसरा सिल्वर मेडल मिला। आईटीए ने ओसीए की ओर से यह सजा लगाई है। अब इस मामले को इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन को सौंपा जाएगा ताकि वे अपने नियमों के तहत आगे के नतीजों पर फैसला ले सकें। आईटीए ने कहा कि ओसीए के नजरिए से यह मामला सुलझा लिया गया है। ओसीए के एंटी-डोपिंग नियमों के तहत इस फैसले के खिलाफ 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट' (कैस) में अपील की जा सकती है। इस बीच, भारत की महिला कबड्डी टीम ने सान्या में फाइनल में श्रीलंका को 47-31 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ ही भारत ने इस इवेंट में लगातार छह एशियन बीच गेम्स के खिताब जीतने का सिलसिला बरकरार रखा।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के 35वें स्थापना दिवस पर बांटें 100 किलो लड्डू



जयपुर। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के 35वें स्थापना दिवस का आयोजन सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में अधिवक्ता परिषद जयपुर प्रांत की ओर से बड़े ही सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस मौके पर न्यायालय परिसर में उपस्थित सभी लोगों के बीच 100 किलो लड्डू वितरित किए गए। प्रांत महामंत्री डॉ अभिषेक सिंह ने बताया कि विशेष बात यह रही कि इस अवसर पर किसी भी प्रकार का औपचारिक मंचीय कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया, बल्कि इसका उद्देश्य अधिवक्ताओं एवं न्यायालय परिवार के सभी वर्गों के बीच सीधा संवाद और भाईचारा बढ़ाना था। समारोह के तहत उच्च न्यायालय इकाई की ओर से परिषद की स्थापना के उद्देश्यों और विधि क्षेत्र में उसकी बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए यह आयोजन केवल अधिवक्ताओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि न्यायालय कर्मचारियों, सफाईकर्मियों और याचिकाकर्ताओं को भी इसमें शामिल किया गया, जिससे पूरे न्यायिक परिवार में आपसी समरसता और एकता का संदेश गया। गौरतलब है कि इससे पूर्व, स्थापना दिवस से दो दिन पहले दिल्ली रोड स्थित रंगीला महादेव मंदिर परिसर में अधिवक्ता सह-भोज का आयोजन किया गया था। इस भोज में 350 से अधिक अधिवक्ता साथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राजस्थानी पारंपरिक व्यंजन 'चूरमा दाल बाटी' का आनंद लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अधिवक्ताओं के बीच पारस्परिक संबंधों को मजबूत करना तथा राजस्थानी संस्कृति और खान-पान को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय मंत्री कमल परसवाल, उच्च न्यायालय इकाई के महामंत्री धर्मेन्द्र बराला तथा मंत्री राजाराम चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। राज्य सरकार के अधिवक्ताओं की ओर से श्रुति पारीक, अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी, वरिष्ठ अधिवक्ता उत्कर्ष द्विवेदी, नीतिन भंडारी, मिथुन चतुर्वेदी एवं निकिता भार्गव, दीक्षा मिश्रा, नेहा गोयल ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। इनके अलावा न्यायालय परिसर के बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस आयोजन में मौजूद रहे।

कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल के जन्मदिवस पर विश्वविद्यालय परिवार ने दी शुभकामनाएं

अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल का जन्मदिवस विश्वविद्यालय परिवार एवं शहर के गणमान्य नागरिकों की शुभकामनाओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने विश्वविद्यालय पधारकर कुलगुरु महोदय को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जन्मदिवस के अवसर पर कुलगुरु प्रो. अग्रवाल ने व्यक्तिगत आयोजन के बजाय राजस्थान की उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुगम, पारदर्शी एवं विद्यार्थी-केन्द्रित बनाने की दिशा में अपने पूर्व प्रस्तावित संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों एवं उनसे संबद्ध महाविद्यालयों में एकीकृत प्रवेश प्रणाली (उद्बेङ्गल्ल ऑरे२ङ्गल्ल र८२ई1) लागू करने की दिशा में प्रभावी पहल की जाए। विश्वविद्यालय द्वारा राज्य सरकार को पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव में फ्रेंड्रिल्ल उद्बेङ्गल्ल ऑरे२ङ्गल्ल री१५ई२ (फउअर) की स्थापना की परिकल्पना की गई थी। इसके अंतर्गत राजस्थान के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों-राज्य के सभी विश्वविद्यालयों तथा उनसे संबद्ध राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों-के लिए एक साझा प्रवेश मंच विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया था।

भिवाड़ी में विधायक महंत बालकनाथ के कथित बयान पर भड़का बवाल

खैरथल-तिजारा। राजस्थान में खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी नगर परिषद चुनाव के बीच वार्ड नंबर 14 में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव प्रचार के दौरान तिजारा विधायक महंत बालकनाथ के कथित बयान को लेकर विवाद गहरा गया है। बयान से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया। अब यह मामला अधिवक्ता समुदाय तक पहुंच गया है और विधायक के कथित बयान के विरोध में भिवाड़ी न्यायालय परिसर के बाहर अधिवक्ताओं ने पुतला दहन करके आक्रोश जताया। वायरल वीडियो में विधायक बालकनाथ ने कथित तौर पर विपक्ष द्वारा चुनाव में प्रत्याशी उतारे



एक पोर्टल से प्रवेश प्रक्रिया में आएगी एकरूपता और पारदर्शिता

कुलगुरु महोदय ने कहा कि एकीकृत प्रवेश व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाना तथा पूरे प्रदेश में प्रवेश व्यवस्था में एकरूपता और पारदर्शिता स्थापित करना है। विश्वविद्यालय की ओर से राज्य सरकार को भेजे गए स्पष्टीकरण में स्पष्ट किया गया है कि फउअर की अवधारणा केवल रअटअफळ्ल जैसे संस्थागत ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक उद्देश्य राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध महाविद्यालयों के लिए एकल साझा प्रवेश पोर्टल स्थापित करना है। उन्होंने राज्य सरकार से अपेक्षा व्यक्त की कि इस प्रस्ताव पर व्यापक दृष्टिकोण से विचार करते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे विद्यार्थियों को विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की अलग-अलग प्रवेश प्रक्रियाओं से राहत मिले और उच्च शिक्षा में प्रवेश अधिक व्यवस्थित एवं सहज हो।

राजस्थान में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति का सूत्रपात हो

कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि जन्मदिवस की वास्तविक सार्थकता तभी होगी, जब प्रदेश के विद्यार्थियों के हित में कोई स्थायी और उपयोगी पहल आगे बढ़े। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध महाविद्यालयों के लिए एकीकृत प्रवेश प्रणाली को अपनाया जाता है, तो यह प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन का आधार बन सकती है। विश्वविद्यालय के प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया है कि ऐसी व्यवस्था गुजरात राज्य में सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है। कुलगुरु प्रो अग्रवाल ने राज्य सरकार से अपेक्षा की कि राजस्थान में भी इस दिशा में ठोस कदम उठाकर विश्वविद्यालयी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया जाए।

भिवाड़ी में विधायक महंत बालकनाथ के कथित बयान पर भड़का बवाल

जाने को लेकर टिप्पणी की जिसे अधिवक्ताओं ने आपत्तिजनक माना है। वायरल वीडियो की हालांकि स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कथित बयान में विधायक ने यह भी कहा कि यहां किसी को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए था और भाजपा प्रत्याशी को निर्विरोध चुना जाना चाहिए था। विपक्ष द्वारा फॉर्म भरने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए समर्थकों से वोट के माध्यम से करारा सबक सिखाने की बात कही। इसी बयान को लेकर अब विरोध के स्वर तेज हो गए हैं।

इस मामले को लेकर बार संघ भिवाड़ी प्रथम के अधिवक्ताओं ने बैठक आयोजित करके विरोध जताया। इसके बाद अधिवक्ता न्यायालय परिसर के बाहर पहुंचे और विधायक महंत बालकनाथ का

पुतला फूँका। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। बार संघ भिवाड़ी प्रथम के अध्यक्ष प्रवीण दायमा ने कहा कि सार्वजनिक मंच से वार्ड 14 की प्रत्याशी एवं अधिवक्ता मोहिनी विजय सिंह को लेकर कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी की गई और चुनाव में फॉर्म नहीं भरने जैसी बात कही गई। इसी के विरोध में अधिवक्ताओं ने बैठक कर पुतला दहन किया है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समुदाय इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और आगे की रणनीति तय की जाएगी। वार्ड 14 से कांग्रेस प्रत्याशी मोहिनी विजय सिंह ने भी कथित बयान को लेकर विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का हिस्सा है और प्रत्येक प्रत्याशी को चुनाव लड़ने का अधिकार है।

10th Arthroplasty Arthroscopy Summit 2026; highlights cutting-edge advancements in orthopaedic care, with focus on the latest techniques reshaping joint treatments!

Hyderabad: Apollo Hospitals, Secunderabad; hosted a one-day 10th Arthroplasty Arthroscopy Summit 2026, under the aegis of the Telangana Orthopaedic Surgeons Association (TOSA) and Twin Cities Orthopaedic Society (TCOS), today at the Apollo Institute of Medical Sciences and Research, Jubilee Hills. Dr N. Somashekar Reddy, Organizing Chairman, AAS and Sr. Ortho & Joint Replacement Surgeon, Apollo Hospitals, Hyderabad and Dr Mithin Aachi, Course Director, AAS and Senior Ortho & Joint Replacement Surgeon, Apollo



Hospitals, Secunderabad; briefed media about the latest techniques discussed at the summit.

The Summit was attended by over two hundred and fifty orthopaedic surgeons from across India including several young ortho

professionals. It brought together senior faculty representing multiple orthopaedic subspecialties to discuss challenging clinical scenarios and practical recommendations that could be applied in everyday patient care.

राष्ट्रभक्ति के सुरों से गूंजा अजमेर, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल ने जीती समूहगान प्रतियोगिता



देशभक्ति गीतों ने बांधा समां

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। अपनी धरती अपना अंबर, कोटि-कोटि कठों ने गाया, सूरज बदले चंदा बदले, भारत माता की संताने, हम बंगाली हम पंजाबी गुजराती मद्रासी हैं, क्रांति की मशाल से, जय-जय हे भगवति और भारत वंदे मातरम् जैसी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं में जोश भर दिया। लोकगीत वर्ग में राजस्थान की लोक संस्कृति भी पूरे रंग में नजर आई। लेता जाजो जी, केसरिया बालम और लुक छुप ना जाओ जी जैसे गीतों की प्रस्तुतियों ने सभागार में राजस्थानी संस्कृति की जीवंत झलक पेश की। विद्यार्थियों की गायन शैली, सामूहिक स्वर-सामंजस्य और मंच प्रस्तुति को दर्शकों ने तालियों के साथ सराहा।

आर्यन पब्लिक स्कूल तृतीय स्थान पर रहे। लोकगीत श्रेणी में भी दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल ने बाजी मारी। सेंट्रल एकेडमी स्कूल दूसरे और आर्यन पब्लिक स्कूल तीसरे स्थान पर रहा। तीनों श्रेणियों के प्रदर्शन के समेकित परिणाम में दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल को प्रथम स्थान मिला। इस जीत के साथ स्कूल ने 4 अक्टूबर को भीलवाड़ा में होने वाली प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता के लिए भी जगह बना ली।

10 स्कूलों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

प्रतियोगिता में अजमेर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें सतगुरु इंटरनेशनल स्कूल, आर्यन पब्लिक स्कूल, सेंट्रल एकेडमी स्कूल, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, श्री बालाजी रॉयल पब्लिक स्कूल, एचकेएच पब्लिक स्कूल, गुजराती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, द टर्निंग प्वाइंट पब्लिक स्कूल, महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल और प्रेसीडेंसी स्कूल शामिल रहे। प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन निर्णायक मंडल में शामिल रुखसाना, अनुपम राठौड़ और लता लख्यानी ने किया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए गायन, सुर, ताल, सामूहिकता और प्रस्तुति से जुड़ी बारीकियों पर अपने विचार साझा किए। निर्णायक मंडल की संगीतमय प्रस्तुति ने भी कार्यक्रम में आकर्षण बढ़ाया।

नई मंडी घडसाना में सोशल मीडिया में टिप्पणी को लेकर युवक की हत्या

अजमेर-दौंड-अजमेर रेलसेवा में लगेंगे आधुनिक एलएचबी रैक

यात्रियों को मिलेगा सुरक्षित और सुगम सफर का लाभ

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के नयी मंडी घडसाना थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया में टिप्पणी से उपजी रंजिश के चलते एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि चक 4-एनएम में सोमवार को करीब सात बजे अपने खेत में मूंग फसल की कटाई कर रहे राहुल बिश्नोई पर मोटरसाइकिल पर आए दो युवकों में से एक ने तेज धारवाले चाकू से बेतहाशा वार किए जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत नयी मंडी घडसाना के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार बाद उसे उच्च स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया। राहुल को देर रात बीकानेर ले जाया जा रहा था कि रास्ते में उसकी मौत हो गई। राहुल के भाई वकीलराम बिश्नोई की शिकायत पर इसी गांव के एक युवक सचिन भांभू, उसके एक अज्ञात साथी और सचिन के पिता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सचिन को हिरासत में ले लिया गया है।



Y2KSOLUTION
KEY SOLUTION PARTNER

Cloud Hosting केवल
Y2KSolution के साथ
क्योंकि हम देने वाले हैं
आपको 24 घंटे Support



+91-9351657167



y2ksolution.com

अजमेर। रेल प्रशासन रेल यात्रियों की यात्रा को अधिक सुरक्षित, तीव्र और आरामदायक बनाने के उद्देश्य से पारंपरिक आईसीएफ कोचों के स्थान पर आधुनिक एलएचबी (छल्टड़) कोच लगाने का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 20991/20992 अजमेर-दौंड-अजमेर एक्सप्रेस को आईसीएफ रैक से उन्नत कर नए एलएचबी रैक में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव के अनुसार यह एलएचबी सेवा अजमेर से गाड़ी संख्या 20991 में 17 सितम्बर से तथा दौंड से गाड़ी संख्या 20992 में 18 सितम्बर से प्रभावी होगी। इस परिवर्तन के साथ ही ट्रेन की संरचना में भी विस्तार किया गया है, जिसके तहत पूर्व के 18 कोचों के स्थान पर अब कुल 19 एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। इस नए रैक में 1 सेकंड एसी, 6 थर्ड एसी, 5 द्वितीय शयनयान, 5 साधारण श्रेणी तथा 2 पावर कार डिब्बे शामिल रहेंगे। साधारण श्रेणी में एक अतिरिक्त डिब्बा जुड़ने से आम यात्रियों को यात्रा के लिए अधिक सीटें उपलब्ध हो सकेंगी। जर्मन तकनीक पर आधारित एलएचबी कोच पारंपरिक कोचों की तुलना में कई मायनों में अत्यधिक उन्नत और लाभकारी हैं। इनमें उन्नत सेंटर बफर कप्लर और एंटी-क्लाइबिंग सुरक्षा प्रणाली मौजूद होती है, जिससे किसी भी दुर्घटना की स्थिति में डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर नहीं चढ़ते और जान-माल के नुकसान का खतरा नगण्य हो जाता है। बेहतर सस्पेंशन और डिस्क ब्रेक सिस्टम के कारण उच्च गति पर भी यह कोच झटका-मुक्त और शांत यात्रा का अनुभव कराते हैं। साथ ही, पारंपरिक डिब्बों की तुलना में अधिक लंबे और चौड़े होने के कारण इनमें अतिरिक्त बर्थ व लेगरूम, बड़ी खिड़कियां, उन्नत बायो-टॉयलेट, बेहतर वेंटिलेशन और उच्च गति क्षमता जैसी आधुनिक सुविधाएं यात्रियों को मिलती हैं।

अजमेर में बच्चों से भरी स्कूल वैन पलटी, खुले सीवरेज चैंबर ने बढ़ाया हादसे का खतरा

अजमेर। शहर में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब स्कूली बच्चों को लेकर जा रही एक वैन अचानक सड़क पर पलट गई। हादसा हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में भित्तल अस्पताल के पीछे हुआ। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे खुले पड़े सीवरेज चैंबर में वैन का पहिया जा धंसा, जिससे चालक वाहन को संभाल नहीं पाया और वैन एक तरफ पलट गई। वैन के अचानक पलटते ही उसमें सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की आवाज और बच्चों की आवाज सुनकर आसपास मौजूद दुकानदार और राहगीर तत्काल मौके पर पहुंचे। लोगों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिना देर किए वैन से बच्चों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। खिड़कियों से निकाले गए बच्चे-प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वैन के पलट जाने के बाद बच्चों को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण था। आसपास मौजूद लोगों ने वैन की पिछली और साइड की खिड़कियों से एक-एक कर बच्चों को बाहर निकाला। कुछ बच्चों को मामूली चोट आने की जानकारी सामने आई है, हालांकि किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। हादसे के बाद बच्चों के परिजन भी मौके पर पहुंचे। बच्चों को सुरक्षित देखकर अभिभावकों ने राहत की सांस ली। खुले चैंबर को लेकर उठे सवाल-प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक सड़क पर खुला पड़ा सीवरेज चैंबर ही हादसे की मुख्य वजह बना। वैन का पहिया जैसे ही चैंबर में उतरा, वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया। घटना ने शहर में खुले सीवरेज चैंबर और सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि खुले चैंबर को समय रहते बंद कर दिया जाता या उसके आसपास सुरक्षा के लिए बैरिकेड लगाए जाते तो इस तरह की दुर्घटना को टाला जा सकता था। बड़ा हादसा टला-घटना के बाद इलाके में काफी देर तक लोगों की भीड़ जमा रही। स्थानीय लोगों ने संबंधित जिम्मेदार विभाग से मांग की है कि सड़क पर खुले पड़े सीवरेज चैंबरों की तत्काल जांच कर उन्हें बंद कराया जाए, ताकि भविष्य में स्कूली बच्चों सहित आम राहगीरों के साथ कोई गंभीर हादसा न हो।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)